

सीआईआई ने चंडीगढ़ में किया एचआर कॉन्क्लेव का आयोजन

चंडीगढ़, 31 अगस्त (विशेष संवाददाता): भारत के सबसे बड़े उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने बीवाईएलडी ग्रुप की भागीदारी में चंडीगढ़ में एचआर कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इस इवेंट में एचआर क्षेत्र से प्रख्यात लोगों, विभिन्न उद्योगों और छात्र समुदाय ने हिस्सा लिया। इस कॉन्क्लेव ने एचआर ट्रेंड्स, एचआर इकोसिस्टम के लिए नई कार्य प्रणालियों को अपनाने, प्रमुख वैश्विक कार्यशालाओं से विचार सांझा करने और महत्वपूर्ण चर्चाओं के कारण अपने सत्रों में लोगों का ध्यान आकर्षित किया। हाल के वर्षों में सीआईआई कॉन्क्लेव में अनुभवी वक्ताओं ने हिस्सा लिया है जिन्होंने इनकी अपार सफलता में अपना योगदान दिया। इस साल भी उपस्थित लोगों ने मीनाक्षी खेड़ा, फरहान शाहिद, हीरेश गिरधर, संदीप सिंह सासन, आनंद धवन, एमएम सिंह, कपिल कुमार, अमरेंद्र मिश्रा, पूजा लुथरा, जसप्रीत अहलूवालिया, हर्प्रीत भाटिया, मधु वर्मा, डॉ. नाइपॉल सिंह-पीएनबी (पब्लिक सेक्टर बैंक)



सीआईआई दिल्ली सब कमेटी के चेयरमैन (एचआर एवं आईआर), बीवाईएलडी ग्रुप के चीफ फ्लो ऑफिसर निषित सूद चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए। (छाया : कमलजीत सिंह)

जैसे वक्ताओं को सुना। निषित सूद ने इस कॉन्क्लेव में अपने विचार सांझा करते हुए कहा कि कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य उन बदलावों को सांझा करना है जिनके लिए मौजूदा समय के साथ-साथ भविष्य के लिए भी संगठनों की पुनः कल्पना की जरूरत से जुड़े हुए हों। हमारा लक्ष्य व्यवसायों और छात्रों को कार्य स्थल-अनुकूल दृष्टिकोण प्रदान कराना है। कॉन्क्लेव का फोकस पारंपरिक नियुक्ति प्रक्रिया से आगे बढ़ा है और अब इसमें उत्पादकता, कर्मचारियों की बेहतरी, डिजिटल इरा:

रिवोल्यूशनराइजिंग बिजनेस, छोटे आकार के उद्योगों के लिए स्ट्रैटजिक वर्कफोर्स प्लानिंग, हाईटेक हाईटच, न्यू एज वर्कफोर्स के जरिये टेलेंट मैनेजमेंट को भी शामिल किया गया है। ये योग्यताएं एवं क्षमताएं हैं जो आपको जीवित रहने और आगे बढ़ने में मदद करेंगी। इसके अलावा डेटा-केन्द्रित एचआर रणनीतियां, बिजनेस, वर्कप्लेस कल्चर के लिए नेक्स्ट-जेन एड्युटेबिलिटी, और जेन जेड के लिए उद्योग की तैयारी अन्य मुख्य विषय हैं। जब हम भविष्य की ओर देखते हैं तो

पता चलता है कि कॉन्क्लेव ने कार्य के अधिक समावेशी, नवीनतम और प्रभावशाली भविष्य को तैयार करने के लिए अनुकूल एचआर रणनीतियों के दायरे पर प्रकाश डाला है। संभावनाओं के दायरे में रिमोट वर्क डायनेमिक्स पर नए दृष्टिकोण, संचार चैनलों में अनुकूल बदलाव और सहयोगात्मक तंत्र का विकास शामिल है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस इवेंट में आगामी संगठनों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए परिचालन को मजबूत बनाने और दिलिवरी आसान बनाने के लिए एचआर रणनीतियों में उपयुक्त बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया गया। विविध दृष्टिकोण मजबूत निर्णय लेने के लिए उत्प्रेरक के तौर पर उभरे, जो विभिन्न पृष्ठभूमियों से हैं। सकारात्मकता, जुड़ाव और आधुनिक उत्पादकता का संगम प्रगतिशील कार्यस्थल गतिशीलता के आधार के तौर पर उभरा। आखिरकार, सर्वसम्मति के साथ पुष्टि की गई कि किसी संगठन की कार्य संस्कृति सिर्फ एक पहलू नहीं है बल्कि एक महत्वपूर्ण कड़ी है जो सफलता की दिशा में उसके प्रक्षेप पथ को गहराई से प्रभावित करती है।